पूर्वानुभव – सुनो और बताओ :

❋ हम

कबीर मीरा

नाना जी नानी जी

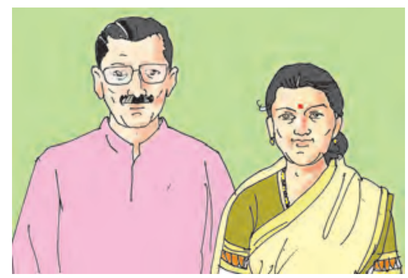

दादा जी दादी जी

मामा जी मामी जी

चाची जी चाचा जी

मौसा जी मौसी जी

माता जी पिता जी

बुआ जी फूफा जी

मेरा नाम .... है ।

चित्रवाचन– देखो, समझो और बताओ :

१. अभिवादन

पहली इकाई

अपने से छोटों के लिए तू तथा हमउम्र के लिए तुम और अपने से बड़ों के लिए आदरसूचक शब्द आप का प्रयोग करते हैं ।

बालगीत – सुनो और दोहराओ :

२. पानी दे

– डॉ. राष्ट्रबंधु

काले मेघा पानी दे,
पानी दे गुड़धानी दे ।

मोती बरसें खेत में,
बच्चे हरसें रेस में,
उछलें-कूदें पानी में,
मेघों की अगवानी में ।

सबको दादी, नानी दे,
हर दिन एक कहानी दे ।

बिजली कड़के जोर से,
धरती गूँजे शोर से,
बचें वर्षा घनघोर से,
पिकनिक जाएँ भोर से ।

उलझन में आसानी दे,
अपनी जैसी बानी दे ।

१. **छुपे शब्दों को खोजो और बताओ :**

जैसे –

ता	ज	म	ह	ल

इसमें कुछ शब्द छुपे हैं– ताज, महल, जल, हल, ताल, मल, हम, लता ।

बा	ल	भा	र	ती

....

२. **दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :**

आ	ई	ऊ	ऋ	उ	इ	अ

....

३. **निम्न पंक्तियाँ पूर्ण करो :**

मोती बरसें .... में । बच्चे हरसें .... में ।

उछलें–कूदें .... में । मेघों की .... में ।

४. **बताओ और लिखो :** **पानी का उपयोग**

....

५. **शेर और चूहे की कहानी सुनाओ ।**

C2GKCK

चित्रकथा – देखो और बताओ :

३. सच्चे मित्र

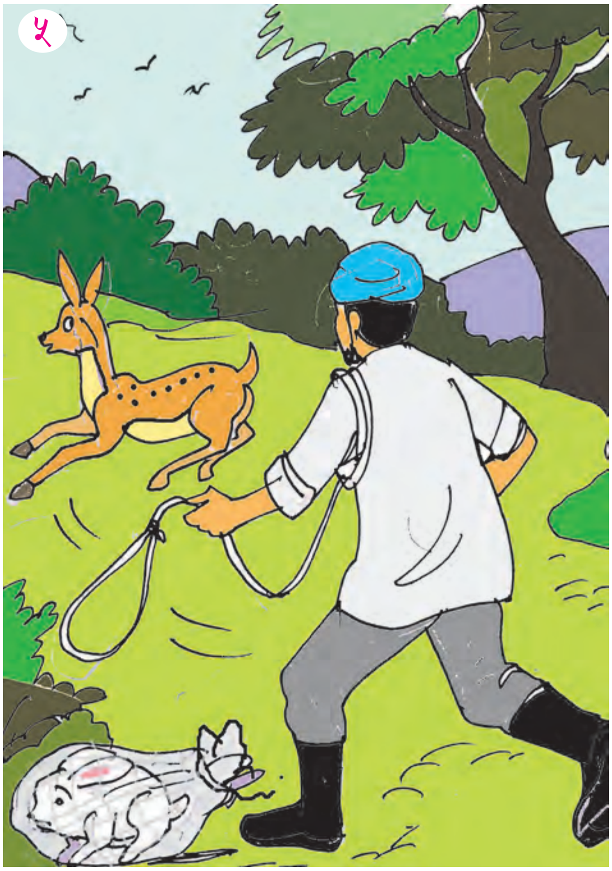

DRB4G8

वाचन – पढ़ो :

४. घर

अजय घर चल । अंगद शरबत उधर रख । बरतन ढक ।

ईश, ओम, इशरत और श्रवण रथ पर घर आए ।

सब झटपट छत पर चढ़ गए । ऊपर क्षण भर ठहरकर उतर आए ।

ऑथर ऊखल इधर रख । ऋषभ सड़क पर डर मत ।

आँचल अब ऐनक पहनकर फलक पर ङ ञ अः त्र ळ ज्ञ पढ़ ।

कृति : बिंदुओं को जोड़कर चित्र पूर्ण करो और रंग भरो ।
दिए गए बिंदुओं पर पूरी वर्णमाला क्रम से लिखो ।

स्वाध्याय

१. **सुनो, समझो और दोहराओ :**

(१) अपना घर साफ-सुथरा रखो ।

(२) फलक पर लिखे अक्षर ध्यान से पढ़ो ।

(३) छत पर धीरे-धीरे चढ़ो ।

(४) बगिया के फूल मत तोड़ो ।

२. **प्राणियों की बोलियों की नकल करो :**

मुर्गा   कुत्ता   बिल्ली   शेर   बकरी   कौआ

३. **घर में बनाए जाने वाले पेय पदार्थों के नाम बताओ :**

....

४. **'चढ़' से चढ़ाई शब्द बना है । इसी तरह शब्द बनाओ और लिखो :**

बड़	
बुन	
पढ़	
कट	

५. **दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :**

ओ	अं	ए	औ	ऑ	ऐ	अः	अँ
......	......	......	......	......	......	......	......

QMWY64

संवाद – सुनो और दोहराओ :

५. सिग्नल

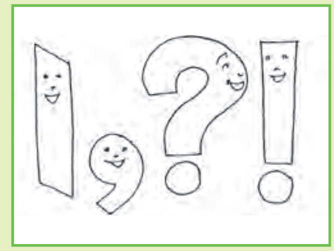

गौरांश : ताई जी, आज रविवार है ।
चलो ना, ताऊ जी के साथ कहीं घूमने जाएँगे ।

ताई जी : हाँ ठीक है । पड़ोस के मन्नू और रुक्की को भी साथ ले जाएँगे ।

ताऊ जी : चलो, हम बस से गांधी पार्क जाएँगे ।

(सब बस में बैठते हैं, बस सिग्नल पर रुक जाती है ।)

मन्नु : बस क्यों रुक गई ?

ताऊ जी : लाल सिग्नल पर गाड़ियाँ रोकनी चाहिए ।

गौरांश : सिग्नल हरा होने पर हम आगे जा सकते हैं ।

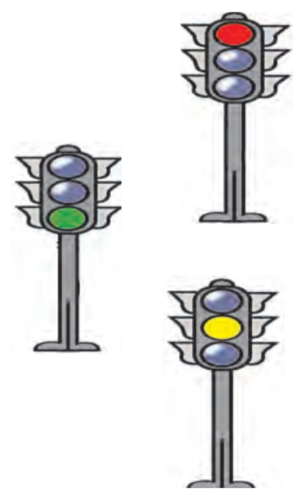

रुक्की : सिग्नल पर पीला रंग क्यों होता है ?

ताऊ जी : पीला रंग बताता है कि सिग्नल हरे रंग से लाल रंग में बदल जाएगा ।

ताई जी : हमें यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए ।

रुक्की : मेरे बड़े भैया कहते हैं कि,
‘‘पैदल चलने वालों को जेब्रा क्रॉसिंग से ही सड़क पार करनी चाहिए ।’’

ताऊ जी : पैदल चलते समय फुटपाथ पर ही चलना चाहिए ।

गौरांश : वाह ! बातें करते हुए हम सब गांधी पार्क पहुँच गए ।

१. किसने – किससे कहा, बताओ :

(१) चलो, हम बस से गांधी पार्क जाएँगे ।

(२) सिग्नल हरा होने पर हम आगे जा सकते हैं ।

(३) बस क्यों रुक गई ?

२. रंग कहते हैं, लिखो :

(१) लाल ....

(२) पीला ....

(३) हरा ....

३. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

ख	ङ	ग	घ	क
....	....	....	....	....

४. सुनो और समझो :

जेब्रा क्रॉसिंग का निशान सड़क पर होता है कारण –

पैदल चलने वालों को जेब्रा क्रॉसिंग से ही सड़क पार करना चाहिए ।

५. पैदल चलते समय किस पर चलना चाहिए ?

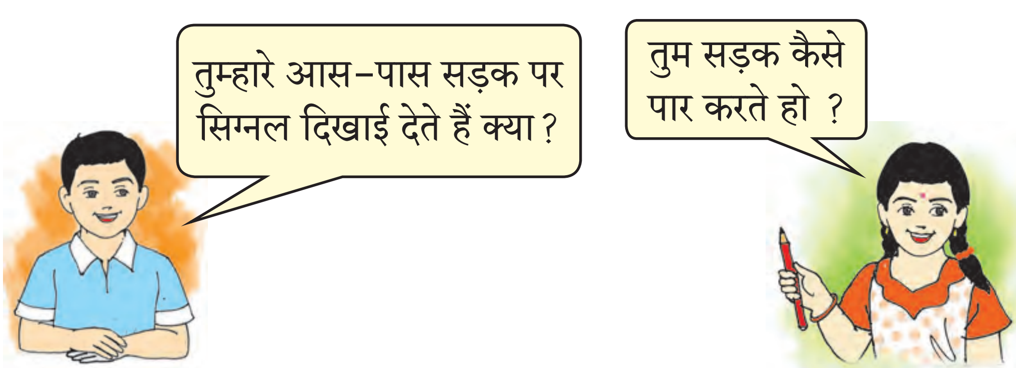

3JISUZ

कहानी – पढ़ो, समझो और बताओ :

६. मेरी बगिया

– कमलेश तुली

ऋतिक और अंकिता दोनों भाई–बहन बहुत ही समझदार थे । उनके पड़ोसी के आँगन में एक बहुत सुंदर बगिया थी । वे सोचते, काश ! उनके घर में भी ऐसी ही बगिया होती । पर उनके घर बगिया उगाने के लिए जगह ही कहाँ थी ? उनकी माँ को जब भी पूजा के लिए फूलों की जरूरत होती थी, दोनों को पड़ोस के घर भेजती । वे फूल ले आते । एक दिन जब वे दोनों फूल लेने गए तो पड़ोस की आंटी ने उनसे कहा, ''बेटा, रोज फूल कहाँ से आएँगे ? दो–चार फूल बचे हैं, ले जाओ ।''

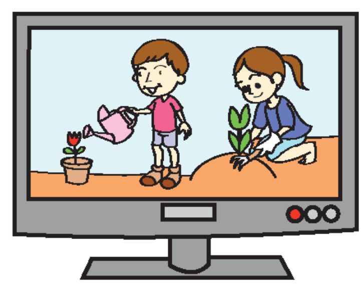

आंटी की बात सुनकर वे उदास हो गए । एक दिन दोनों ने दूरदर्शन पर देखा कि गमले में भी पौधे उगाए जा सकते हैं । वे बड़े खुश हुए । उन्होंने यह बात अपने माता–पिता को बताई । वे पौधे लगाने के लिए गमले ले आए ।

गमलों में दोनों ने मिट्टी डाली । उनमें खाद और पानी मिलाकर फूलों के पौधे लगा दिए । वे रोज पौधों की अच्छी तरह देखभाल करते थे ।

धीरे–धीरे पौधों में फूल खिलने लगे । गमलों में खिले फूल देखकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा । घर फूलों की खुशबू से महक उठा । उनकी बगिया देखने पड़ोसवाली आंटी और अंकल भी आए । दोनों को शाबासी देते हुए अंकल ने कहा, ''सचमुच, जहाँ चाह, वहाँ राह ।''

१. **निम्नलिखित वाक्यों का घटना के अनुसार क्रम लगाओ :**

(१) घर फूलों की खुशबू से महक उठा ।
(२) गमले में भी पौधे उगाए जा सकते हैं ।
(३) वे रोज पौधों की अच्छी तरह देखभाल करते थे ।
(४) पड़ोसी के आँगन में एक बहुत सुंदर बगिया थी ।

२. **किसने किससे कहा :**

(१) बेटा, रोज फूल कहाँ से आएँगे ?
(२) ''सचमुच, 'जहाँ चाह, वहाँ राह ।''

३. **चित्र देखकर दिए गए शब्दों की सहायता से वर्णन पूरा करो और पढ़ो :**

(गमले, अंकुर, कलियाँ, पानी, बीज, फूल, खुश)

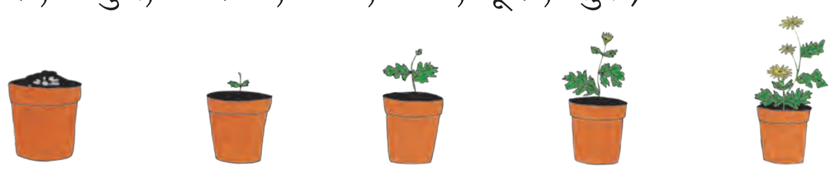

श्याम ने .... में मिट्टी डाली । मिट्टी में ...... बोए ।
गीता ने मिट्टी में ...... डाला । कुछ दिन बाद बीज से ..... निकले ।
धीरे-धीरे अंकुरों ने पौधों का रूप लिया ।
पौधों में ...... निकली । उन कलियों के सुंदर ...... बने ।
फूल देखकर बच्चे .... हो गए ।

४. **चौखट में लिखो :**

पाठ में आए नाम
(दो खाली चौखट)

५. **तुमने देखे हुए बगीचे का वर्णन सुनाओ ।**

FG5MJV

बालगीत – सुनो और दोहराओ :

७. चंदामामा

– शंकर विटणकर

नील गगन के चंदा जी
ठाठ बड़ा दिखलाते हो,
सोने जैसा रूप लिए
राजा बन इठलाते हो ।

पंख नहीं तुमको फिर भी
पंछी बन उड़ पाते हो,
झुंडों बीच सितारों के
पंछीराज बन जाते हो ।

जंगल–नदी–पहाड़ों पर
घूमते रात बिताते हो,
याद से फिर भी हम सबके
छत पर खेलने आते हो ।

भैया तुम धरती माँ के
मामा हमको लगते हो,
इसीलिए क्या प्यार से तुम
देख हमें मुसकाते हो ।

स्वाध्याय

१. समझो और बताओ :

(अ) इनका रूप सोने जैसा ....

(आ) पंछी बन उड़ते ....

(इ) ये जंगल, नदी, पहाड़ों पर घूमते ....

(ई) बच्चों के मामा ....

२. पढ़ो और अनुलेखन करो :

डमडम	ढमढम	खटपट	लटपट
....	....	....	....
किलबिल	झिलमिल	अनबन	जनमन
....	....	....	....

३. दिए गए वर्णों को वर्णमाला के क्रम से लिखकर पढ़ो :

छ	झ	ञ	ज	च
....	....	....	....	....

४. सुनो और दोहराओ :

पीले-पीले पत्तों में पकता पपीता, पके-पके पपीता में पपलू का पिट्टा ।

५. चंदामामा और तारों के चित्र बनाओ, चित्र के आधार पर दो-दो वाक्य सुनाओ।

SCRH9R

चित्र निरीक्षण – अंतर बताओ :

८. परी

१. खाने–पीने की चीजों को चुनकर दूसरे घड़े पर लिखो :

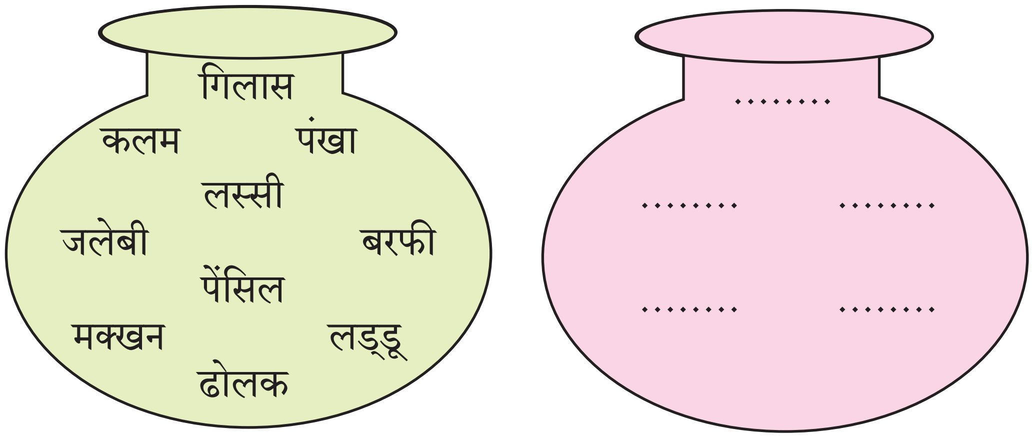

२. तारों में लिखे गए अक्षरों को मिलाकर नये–नये शब्द बनाओ और बताओ :
(ध्यान रखें कि रंगीन तारे में दिया गया अक्षर सभी शब्दों में आए ।)

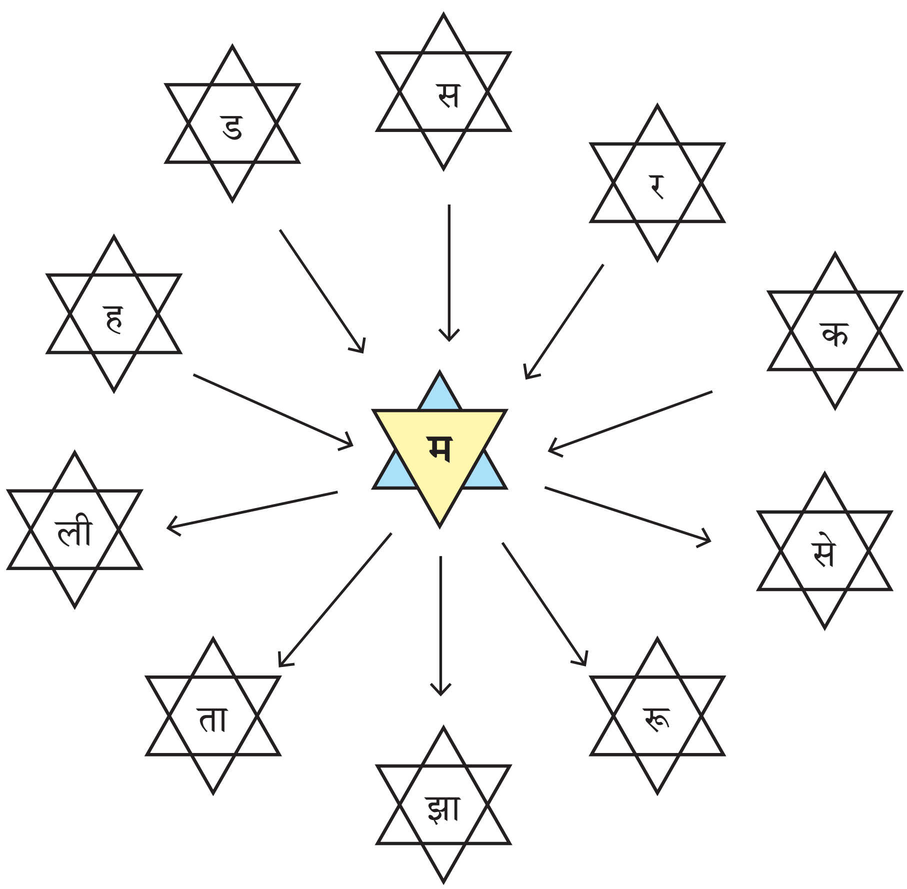

जैसे – सम, समझा

३. नीचे कुछ आदतें दी गई हैं । उनमें से तुम कौन-सी आदतें अपनाते हो? उसके सामने सही ✓ निशान लगाओ :

(१) नाखून काटना।		(२) देर तक सोना।	
(३) बड़ों का सम्मान करना।		(४) खाना खाने से पहले हाथ धोना।	
(५) मित्रों से झगड़ना।		(६) खुली चीजें खाना।	
(७) हरी सब्जियों का सेवन करना।		(८) झूठ बोलना।	
(९) समय पर पाठशाला न आना।		(१०) मीठे बोल बोलना।	

४. शब्दों की अंताक्षरी खेलो :

गुड़िया - यज्ञ - ज्ञानी - नल - लड़का ....

५. घर से पाठशाला आते समय दिखाई देने वाली दुकानों के फलक पढ़ो और लिखो :

....

....

....

६. नीचे दिए गए शब्दों को सही तालिका में लिखो :

पेंसिल मंथन बस्ता हिरन खुशी खरगोश चूड़ियाँ

कमला जूता भालू सायली जिराफ कुर्सी कंचन शेर

प्राणी	वस्तु	नाम

पूर्वानुभव – देखो और बताओ :

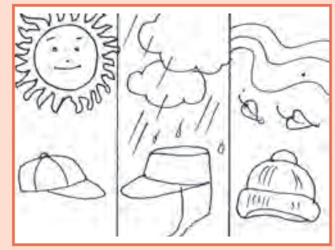

* ऋतुएँ

– *प्रतीक साकेत*

कोयल गाए मधुर तराना, ऋतु बसंत जब आए,
पेड़ पौधे फूल पत्तियाँ, मन को बहुत सुहाए ।

ग्रीष्म ऋतु में तपता सूरज, देखो आँख दिखाए,
कोई ठंडा शरबत पीता, डुबकी कोई लगाए ।

वर्षा ऋतु में छाता भाए, ठंडी बौछारों से बचाए,
कागज की जब नाव चले, बिटिया गदगद हो जाए।

ऋतु शरद की पूनम आई, चाँद बहुत मुसकाए,
शीतलता नभ से बरसे है, मन की प्यास बुझाए ।

ऋतु हेमंत की बेला के संग, मंद हवा ने ठंड बढ़ाई,
स्वेटर पहनो, टोपी पहनो, सारे ओढ़ो गरम रजाई ।

ऋतु शिशिर ने करी घोषणा, पतझड़ आया, पतझड़ आया,
तेज हवा ने तब झकझोरा, पेड़ों से पत्तों को झड़ाया ।

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

१. हमारे त्योहार

घर–घर दीप जलाएँ, प्रकाश का पर्व मनाएँ ।

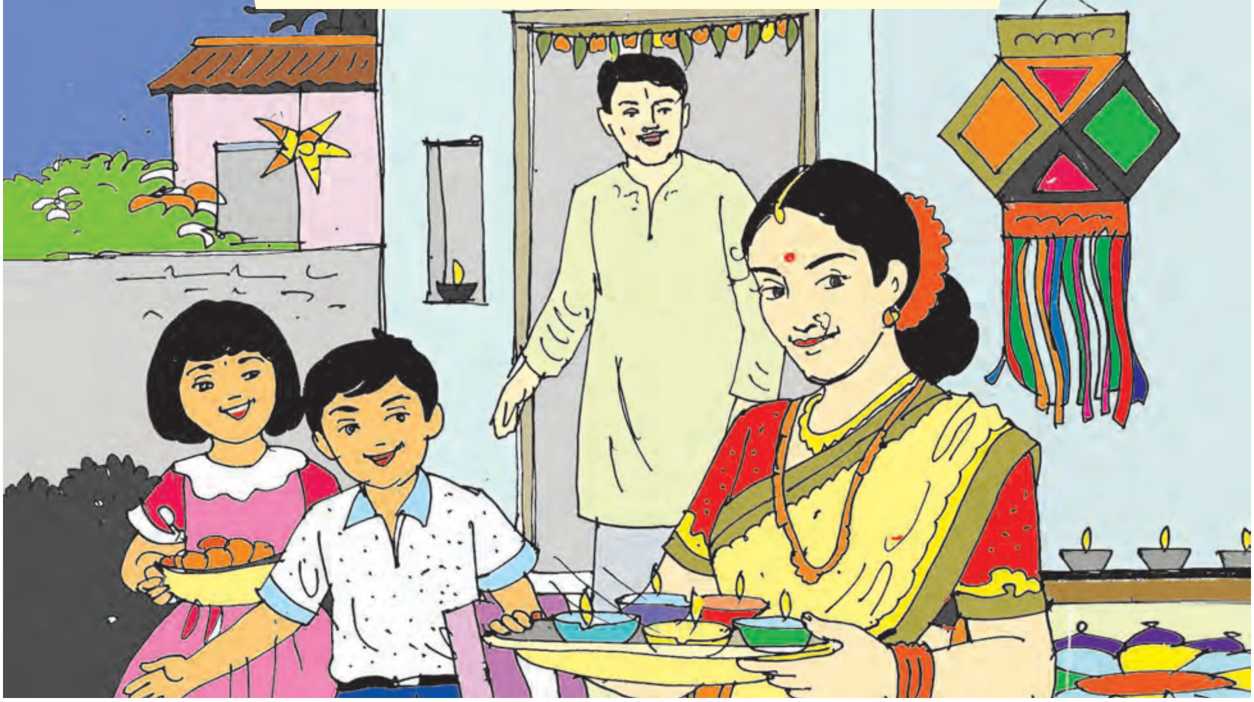

शीर–खुरमे का स्वाद, ईद रहे सदा याद ।